>

Title: Need to declare public holiday for Chhath Puja - Laid

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल (महाराजगंज): हमारा देश विभिन्नताओं, विविधताओं से भरा हुआ है । यहाँ विभिन्न जातियों, धर्मों, संप्रदायों, वेश-भूषा और भाषा के लोग निवास करते हैं । इनके पर्व-त्यौहार भी भिन्न हैं । लेकिन कुछ त्यौहार ऐसे भी है जिन्हें हम सभी लोग मिलकर साथ-साथ मनाते हैं । जैसे होली, दीपावली इत्यादि । ऐसा ही एक महापर्व और त्यौहार हमारे देश के कई भू-भाग, क्षेत्रों और प्रदेशों में मनाया जाता है जिसका नाम छठ पर्व है इस पर्व को भी हमारे देश में बड़ी ही श्रद्धा, धूमधाम और उत्साह के साथ सब लोग मनाते हैं । इस पर्व में व्रतियों द्वारा लगातार तीन दिनों तक बिना अन्न-जल ग्रहण किए हुए सूर्य की उपासना की जाती है । इस पर्व में मुख्य रूप से दो दिवसों में जल में खड़े होकर डूबते और उगते हुए सूर्य को अर्ध्य दिया जाता है । हमारे देश में वैदिक काल से ही सूर्य की पूजा की पद्धति प्रचलित है । हम प्रकृतिपूजक हैं । प्रकृति से ही सब कुछ है । प्रकृति में सूर्य प्रथम है । इसलिए इनकी पूजा और अराधना से जुड़ा हुआ यह महापर्व छठ हमारे देश का बहुत ही महत्वपूर्ण पर्व है । इस पर्व को भारत के विभिन्न क्षेत्रों और जगहों पर सभी जातियों के साथ-साथ हमारे इस्लाम धर्म के भाई-बहनों द्वारा भी मनाया जाता है ।

इस महाव्रत, पर्व को मनाने वाले लोग अज हमारे देश के लगभग ज्यादा से ज्यादा प्रदेशों और क्षेत्रों में फैले हुए हैं । दिल्ली जैसे देश की राजधानी और एन.सी.आर. में भी इस पर्व के मनाने वालों की संख्या बहुतायत में है । आज यह महापर्व राष्ट्रीय स्वरूप ले चुका है ।

अतः मेरा सरकार से विनम्र निवेदन है कि इस महापर्व को मनाने वालों की संख्या (आबादी), इसकी महत्ता, प्रकृति, पर्यावरण, विशेषकर साफ-सफाई और शुद्धता से सीधे जुड़ाव को ध्यान में रखते हुए इसे राष्ट्रीय पर्व मानते हुए इस पर्व

के दिन को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया जाए ताकि इस महापर्व के मनाने वाले लोगों को अपनी श्रद्धापूर्ण पूजा में समय का अभाव न रहे ।